Literacy for a Billion

Movie: Bandhan (1998)
Year: 1998

Song: Tere Naina Mere Naino Ki
Lyricist: Arun Bhairav

ओ तेरे नैना मेरे नैनों की
क्यों भाषा बोले बोले
तेरे नैना मेरे नैनों की
क्यों भाषा बोले बोले

मुझे प्यार हुआ
पिया हौले हौले हौले
मुझे प्यार हुआ
पिया हौले हौले हौले

तेरा झूमे क्यों बदन
मन डोले डोले डोले
तेरा झूमे क्यों बदन
मन डोले डोले डोले

मुझे प्यार हुआ
पिया हौले हौले हौले
मुझे प्यार हुआ
पिया हौले हौले हौले

तेरे नैना मेरे नैनों की
क्यों भाषा बोले बोले

मुझे प्यार हुआ पिया
हौले हौले हौले

आँखों से नींद गई
दिल से चैन गया
ये केसे हो गया

आशिक़ी हो गई
बेबसी खो गई
इक़रार हो गया

जाने क्या राज़ है
जाने क्या बात है
कुछ दिल है कह रहा

मैं सुनूँ तो ज़रा
जानेजाँ वो बता
तेरा दिल जो कह रहा

साजन की बनके
सजनी मिटा लूँ
दिल की मैं हर अगन

दीवाना कर दे
दीवानी हो जा
यूँ प्यार में मगन

ओ मन पंछी के जैसे
पर खोले हौले हौले
मन पंछी के जैसे
पर खोले हौले हौले

तुझे प्यार हुआ
तू ही बोले बोले बोले

तुझे प्यार हुआ

Literacy for a Billion

तू ही बोले बोले बोले
मेरे नैना तेरे नैनों की
क्यों भाषा बोले बोले
मेरे नैना तेरे नैनों की
क्यों भाषा बोले बोले

तुझे प्यार हुआ
तू ही बोले बोले बोले
तुझे प्यार हुआ
तू ही बोले बोले बोले

रातों में अकेले में
यादों के मेले में
आते हैं तेरे ख़्वाब

ख़्वाबों ही ख़्वाबों में
यादों ही यादों में
कैसे बनेगी बात

कहे दिल जाके मिल
पिया संग ऐसे खिल
फूलों की जैसी डाल

काँटों पे पाँव हो
धूप हो छांव हो
दूँगा मैं तेरा साथ

सौ बातों की
ये इक बात है
ये सौग़ात प्यार की
बीते न मुझपे
अब तो घड़ी
कोई इंतज़ार की

ओ मन जागे मेरा नैन कहें
सो ले सो ले सो ले
मन जागे मेरा नैन कहें
सो ले सो ले सो ले

तुझे प्यार हुआ
तू ही बोले बोले बोले
तुझे प्यार हुआ
तू ही बोले बोले बोले

तेरे नैना मेरे नैनों की
क्यों भाषा बोले बोले
तेरे नैना मेरे नैनों की
क्यों भाषा बोले बोले

मुझे प्यार हुआ
पिया हौले हौले हौले
तुझे प्यार हुआ
तू ही बोले बोले बोले

मुझे प्यार हुआ
पिया हौले हौले हौले
तुझे प्यार हुआ
तू ही बोले बोले बोले

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.